भिलाई निगम क्षेत्र में वन महोत्सव का आयोजन

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र को हरा–भरा रखने के लिए 1 से 7 जुलाई तक विशेष वन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पर्यावरण प्रेमियों, सामाजिक एवं अध्यात्मिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, औद्योगिक चेम्बर ऑफ कार्मस के सदस्यो के सहयोग से विभिन्न क्षेत्रो में वृक्षारोपण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत संजय नगर तालाब, नेहरू नगर समता उद्यान के समीप, कोहका भेलवा तालाब, स्मृति नगर नहर किनारे, शांति नगर, प्रियदर्शिनी परिसर पूर्व व पश्चिम के उद्यानों, कुरूद ढॉचा भवन तालाब के किनारे, कुरूद शीतला तालाब एवं शहर के अन्य विभिन्न स्थलों पर वृक्षोरापण किया जा रहा है। बीएसपी क्षेत्र में खुर्सीपार बी.एस.पी. कन्या शाला, सेक्टर 1 अम्बेडकर उद्यान, सेक्टर 4, सेक्टर 10 सड़क 33 आदि क्षेत्रो में भी पेड़ लगाए जा रहे है। इस अभियान में विभिन्न शासकीय संस्थाओ, स्कूलो, आंगनबाड़ी केन्द्रो, कालोनियों, अस्पताल परिसर, विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों, गौठानो, तालाबों, रोड़ किनारे, उद्यानों, नहर किनारे एवं व्यवसायिक क्षेत्र में वृक्षारोपण किया जा रहा है। नगर निगम भिलाई का प्रयास है कि देशी वृक्ष मुख्य रूप से नीम, करंज, अमलताश, पुत्रजीवा, गुलमोहर, पेल्ट्राफार्म, बादाम, कचनार, जामुन, मौलश्री जैसे महत्वूपर्ण पौधे ही रोपित किये जा रहे है। ये पौधे भौगोलिक वातावरण के रूप से हमारे शहर, प्रदेश एवं मानव जीवन के अनुकुल हैं। ये सब वृक्ष आसानी से बढ़ जाते है। निगम भिलाई के साथ वृक्षारोपण करने वाली सहयोगी संस्थाएं परमार्थी संस्था, आर्टकॉम, पर्यावरण मित्र मण्डल, सर्व धर्म सेवा संस्था, ऑक्सीजोन, नई पहल, शपथ फाउन्डेशन आदि का मिल के काम कर रही है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर क्षेत्र को हरा भरा रखने एवं जल संरक्षण हेतु पुराने कुंओ को पुनः जीवित करने एवं नये कुओ का निर्माण करने पर विशेष बल दिया है। महापौर नीरज पाल ने कहां है कि कि अभी समय है, सही समय है वन महोत्सव में अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का। इन पेड़ो से जीवन खुशहालमय होगा। पेड़ पौधो से रोटी, कपड़ा और मकान सभी की आपूर्ति होती है, जो हमारे एवं आने वाली पीढ़ि के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने उद्यान अधिकारी तिलेश्वर कुमार साहू को निर्देशित किये है कि सभी संगठनो से समन्वय बनारक वृक्षो को लगाना है और बचाना है। लगाये गये पेड़ जीवित है कि नहीं इसका भी हिसाब होगा।